## नव संवत्सर २०७७ की मंगलकामनाएँ

| | | |
|---|---|---|
| संवत्सर का नाम | – | आनन्द |
| संवत् वाहन | – | सिंचाणु ( गीदड़ ) |
| संवत् ( समय ) वास | – | वणिक ( वैश्य ) |
| रोहिणी निवास | – | संधि |
| वर्ष नाम | – | आषाढ |
| मेघ नाम | – | आवर्त |
| ईस्वी सन् | – | 2020.2021 |

## वर्ष के अधिकारी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| राजा | – | बुध | मंत्री | – | चन्द्र |
| सस्येश | – | गुरू | धान्येश | – | मंगल |
| मेघेश | – | सूर्य | रसेश | – | शनि |
| नीरसेश | – | गुरू | फलेश | – | सूर्य |
| धनेश | – | बुध | दुर्गेश | – | सूर्य |

## समय शुद्धि

- मीन संक्राति दोष वर्ष के प्रारम्भ से 13.04.2020 तक रहेगा।
- शुक्र ( तारा ) अस्त दोष 31.05.2020 से 09.06.2020 तक रहेगा।
- पितृपक्ष दोष दिनांक 02.09.2020 से 17.09.2020 तक रहेगा।
- मलमास ( अधिकमास ) 18.09.2020 से 16.10.2020 तक रहेगा।
- धनु संक्राति दोष दिनांक 15.12.2020 से 14.01.2021 तक रहेगा।
- गुरू ( तारा ) अस्त दोष 17.01.2021 से 15.02.2021 तक रहेगा।
- शुक्र ( तारा ) अस्त दोष 13.02.2021 से 18.04.2021 तक रहेगा।
- मीन संक्रांति दोष दिनांक 14.03.2021 से वर्ष के अतं तक रहेगा।
- होलाष्टक दोष दिनांक 22.03.2021 से 28.03.2021 तक रहेगा।

### गुरु-शुक्रास्त में वर्जित कर्म

गुरु और शुक्र के अस्त हाने पर ( जिसे तारा डूबना भी कहते है ) निम्नांकित शुभ कार्यों को शास्त्र वचनानुसार निषिद्ध एवं त्याज्य माना गया है- गृहारम्भ, गृह प्रवेश, कुआँ तालाब का निर्माण, व्रतारम्भ, व्रतोद्यापन, नामकरण, मुण्डन, कर्णवेध, यज्ञोपवीत, सगाई-विवाह, वधू प्रवेश, गोदान, देव प्रतिष्ठा (मूर्ति स्थापना), चातुर्मास्य प्रयोग, अग्निहोत्र (यज्ञ) प्रारम्भ, सकाम अनुष्ठान, यात्रा, दीक्षा, संन्यास ग्रहण आदि।

यह तिथि पत्रिका दिल्ली के अक्षांश पर आधारित है।